भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-5272

जिसका उत्तर 25 जुलाई, 2019 को दिया जाना है ।

राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड लिंकेज

5272. श्री प्रद्युत बोरदोलोई:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को बाकि देश भर से जोड़ने वाले राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड लिंकेज की क्या स्थिति है; और

(ख) ग्रिड संपर्क का पूरा कार्य राज्य स्तर की अन्य सक्षम कंपनी यथा असम इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड की जगह पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) को देने के क्या कारण हैं?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री

(श्री आर. के. सिंह)

(क) : भारतीय विद्युत प्रणाली पांच (5) क्षेत्रों अर्थात उत्तरी क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में विभाजित है। क्षेत्रों के बीच अंतरक्षेत्रीय (आईआर) पारेषण लिंक अधिक विद्युत वाले क्षेत्रों से कम विद्युत वाले क्षेत्रों को विद्युत के व्यवस्थित प्रवाह को सक्षम बनाता है। वर्तमान में सभी पांचों क्षेत्रीय ग्रिड़ एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वैंसी-एक बाजार बनाकर सिंक्रोनस लिंकों के जरिये एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय ग्रिड की अन्तर क्षेत्रीय विद्युत पारेषण क्षमता 99,050 मेगावाट (मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार) है। पूर्वोत्तर क्षेत्र निम्नानुसार विभिन्न पारेषण लिंकों के जरिये देश से जुड़ा हुआ हैः

(i) ± 800 केवी विश्वनाथ चरियाली-अलीपुरद्वार-आगरा मल्टी टर्मिनल एचवीडीसी बाइपोल लाइन
(ii) 400 केवी अलीपुरद्वार-बोंगाईगांव हाई कैपेसिटी डी/सी लाइन
(iii) 400 केवी सिलीगुडी-बोंगाईगांव डी/सी लाइन
(iv) 220 केवी बीरपाड़ा-सलाकती डी/सी लाइन

(ख) : देश में मौजूद पारेषण प्रणाली में अन्तर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) तथा अन्तर्राज्यीय पारेषण प्रणाली (इंटरा-एसटीएस) शामिल हैं।

जनवरी, 2011 से, आईएसटीएस पारेषण योजनाएं टैरिफ नीति के उपबंधों के अनुसार या तो टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के जरिये अथवा विनियमित टैरिफ अन्तर (आरटीएल) के साथ लागत-अधिक्य तंत्र के जरिये कार्यान्वित की जा रही हैं। तद्नुसार, आईएसटीएस पावर ग्रिड़ द्वारा अथवा टीबीसीबी परियोजनाओं के मामले में सफल बोलीदाता द्वारा विकसित की जाती हैं। पावरग्रिड टीबीसीबी परियोजनाओं के लिए बोलीदाता के रूप में भागीदारी करती है।

किसी राज्य में अन्तर्राज्यीय पारेषण प्रणाली सामान्यतः राज्य पारेषण यूटिलिटियों/अन्तर्राज्यीय पारेषण लाईसेंसियों द्वारा विकसित की जाती है जैसे असम राज्य के लिए अन्तर्राज्यीय प्रणाली के संबंध में असम इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड है।

****